दिनांक **23** दिसम्बर, **2017** को सिल्ली में आयोजित गुंज महोत्सव के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया का सम्बोधन

मुझे गुँज परिवार द्वारा आयोजित गुँज महोत्सव में आप सभी के मध्य सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है। संस्था द्वारा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, चाहे शिक्षा के क्षेत्र में हो या स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि अथवा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रयास किया जाना सराहनीय है। मैं इस अवसर पर राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री श्री सुदेश महतो समेत इस संस्था से जुड़े सभी सदस्यों को बधाई देती हूँ।

यह अवगत कराया गया कि गुँज परिवार द्वारा आज का दिन महिलाओं को समर्पित किया गया है। आज संस्था गुँज महोत्सव की इस कड़ी में महिला दिवस मना रही है। यह सुखद है कि सभी महिलायें स्वयं सहायता समूह/ **Jharkhand State Livelihood Promotion Society/ National Rural Livelihood Mission** से जुड़ी है और महिलायें सशक्त हो रही हैं।...

... सदियों से हमारे देश में नारियों को पूजनीय स्थान प्राप्त है। संस्कृत में श्लोक है– ''यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमन्ते तत्र देवता''। अर्थात् जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं। महिलाएँ सदैव हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक व्यवस्था की रीढ़ रही हैं। मानव समाज की प्रगति एवं समग्र विकास महिलाओं की सहिष्णुता एवं अनवरत संघर्ष का प्रतिफल है। आज महिलाएँ सिर्फ सामाजिक–आर्थिक रूप से स्वावलंबी ही नहीं है, बल्कि वे नीति–निर्माता के रूप में सामने आ रही है।

इस अवसर पर मैं कहना चाहूँगी कि किसी भी प्रदेश में पूर्णरूपेण विकसित समाज की परिकल्पना तभी सार्थक हो सकती है, जब वहाँ की महिलाएँ सशक्त एवं शिक्षित हों। आज देश की कुल आबादी का आधा भाग महिलाओं की है।...

... विकास के उच्च स्तर पर मौजूद होने हेतु महिलाओं को पूर्ण जोश, उत्साह एवं **commitment** के साथ उच्च शिक्षा, रोजगार तथा स्वास्थ्य के नये आयामों को हासिल करना होगा। विकास के संसाधनों तक अपनी पहुँच सुनिश्चित करनी होगी। संगठित होकर समाज एवं राष्ट्र निर्माण के पुनीत कार्य में सहभागी बनना होगा।

खुशी की बात है कि गुँज संस्था द्वारा लोगों को शिक्षित करने हेतु प्रयास किया जा रहा है। इस क्रम में साक्षरता कार्यक्रम, छात्रवृत्ति योजनायें, किशोर–किशोरी क्लब, कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित है। साथ ही उच्च तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सहयोग प्रदान किया जाता है।

संस्था द्वारा लोगों, विशेषकर बच्चों एवं युवा वर्ग को संगीत, नृत्य, नाटक, खेलकूद आदि के प्रति प्रोत्साहित करना अत्यन्त ही प्रशंसनीय है। संस्था विभिन्न विशेषज्ञों के माध्यम से इन्हें सही प्रशिक्षण सुलभ कराकर अच्छा मंच प्रदान कर सकती है। इससे हमारे ये बच्चे न केवल सिल्ली के शान कहलायेंगे, बल्कि पूरे राज्य एवं देश के गौरव कहलायेंगे। वैसे भी हमारे राज्य में मेधा की कमी नहीं है, जरूरत है उसे प्रोत्साहित करने एवं उचित दिशा प्रदान करने की। मैं अक्सर विभिन्न विद्यालयों का भ्रमण करती हूँ, इस क्रम में देखती हूँ कि हमारे बच्चे गीत–संगीत, नृत्य, नाटक, खेल, पेंटिंग के अत्यन्त प्रेमी है। गर्व का विषय है कि हमारे कलाकारों को अन्य राष्ट्रों के द्वारा भी कला का प्रदर्शन करने हेतु बड़े ही सम्मान से आमंत्रित किया जाता है।...

... संगीत, गायन एवं नृत्य विधाओं की दृष्टि से भारत की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध रही है। संगीत एवं लोक नृत्य हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर की पहचान है। यह हमारे देश की साझी संस्कृति का अनुपम उदाहरण है।

गुँज परिवार द्वारा युवाशक्ति को सशक्त करने, समाज में व्याप्त अंधविश्वास एवं कुरीतियों के समापन, कृषि, पशुपालन, दुग्ध–उत्पादन, कुटीर उद्योग के क्षेत्र में कार्य करने के साथ पर्यावरण, वृद्धों, विधवाओं, असहायों के लिए सहायतार्थ कार्य किया जाना नेक पहल है। मैं चाहूँगी कि संस्था के सभी सदस्य ईमानदार प्रयास से इस क्षेत्र को राज्य के एक मॉडल प्रखण्ड के रूप में स्थापित करें। आपके कार्य से दूसरों को प्रेरणा मिले। साथ ही अन्य स्वयंसेवी सहायता समूह के लिए आप एक मार्गदर्शक साबित हो, जो स्वहित के लिए नहीं, सदैव जनहित के लिए तत्पर रहें।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!